SAURASHTRA UNIVERSITY

RAJKOT

(ACCREDITED GRADE "A" BY NAAC)

FACULTY OF ARTS

Syllabus for

M. Phil. (HINDI)

Choice Based Credit System

With Effect from: 2016-17

पाठ्यक्रम उपलब्धियाँ (Programme Outcomes-POs):

POs 1. शोध–कार्य के द्वारा कृति का उद्देश्य स्पष्ट होता है जो राष्ट्रीय स्तर पर उपयोगी होता है।

POs 2. तुलनात्मक अध्ययन के द्वारा वैश्विक साहित्य का ज्ञान प्राप्त होता है।

POs 3. विभिन्न भाषाओं में लिखित साहित्य का अध्ययन करने से छात्रों में साहित्य की भाषागत एवं संवेदनागत विशेषताएँ उजागर होती हैं।

POs 4. भारतीय साहित्य का अध्ययन करने से छात्रों में भारतीय साहित्य सृजन एवं अस्मिता का परिचय प्राप्त होता है।

POs 5. विश्व–साहित्य का अध्ययन करने से छात्रों में जन–कल्याण की भावना पैदा होती है।

पाठ्यक्रम विशिष्ट उपलब्धियाँ (Programme Specific Outcomes-PSOs) :

PSOs 1. छात्रों में ऐतिहासिक और तुलनात्मक अनुसंधान के द्वारा भारतीयता की समझ विकसित होती है।

PSOs 2. तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन करने से छात्रों को वैश्विक साहित्य–कला की जानकारी प्राप्त होती है।

PSOs 3. अनुवाद का सैद्धांतिक और व्यावहारिक स्वरूप जानने से रोजगार के क्षेत्र में विद्यार्थी उपलब्धि प्राप्त कर सकता है।

PSOs 4. भारत की विभिन्न भाषाओं में रचित विविध रचनाओं का अध्ययन करने से तत्कालीन परिस्थिति तथा समस्याओं की प्रासंगिकता स्पष्ट होती है।

PSOs 5. तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन द्वारा छात्रों में विश्व–बंधुत्व की भावना उजागर होती है।

PSOs 6. विदेशी साहित्य के अध्ययन द्वारा विदेशी भाषा–साहित्य और समाज का छात्रों को परिचय प्राप्त होता है।

PSOs 7. प्रस्तुत पाठ्यक्रम द्वारा छात्रगण भारतीय एवं पाश्चात्य मानवमूल्यों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय

एम.फिल.(तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम

क्रम	कक्षा स्नातक अनुस्नातक अनुपारंगत विद्यावाचस्पति	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार CHN (मुख्य) EHN (ऐच्छिक)	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक/ मौखिकी अंक	कुल अंक
१	अनुस्नातक	प्रथम	CHN-1001 (मुख्य)	अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया	०१	०४	३०	७०	–	१००
२	अनुस्नातक	प्रथम	CHN-1002 (मुख्य)	तुलनात्मक साहित्य	०२	०४	३०	७०	–	१००
३	अनुस्नातक	द्वितीय	EHN-1001 (ऐच्छिक)	अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार	०३	०४	३०	७०	–	१००
अथवा										
४	अनुस्नातक	द्वितीय	EHN-1001 (ऐच्छिक)	साहित्यिक कृतियाँ	०३	०४	३०	७०	–	१००
५	अनुस्नातक	द्वितीय	CHN-1003 (मुख्य)	लघुशोध प्रबंध लेखन	०४	०४	–	२००	–	२००

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS) कला संकाय

एम.फिल.(तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१७

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1001 (मुख्य)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१७	०१	०३	०१	०३	०१	०१	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	CHN-1001 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
COs 1. पाठ्यक्रम संबंधी शोध-प्रविधि का ज्ञान प्राप्त करें ।
COs 2. छात्रगण शोध के विविध आयामों को समझें ।
COs 3. पाठ्यक्रम संबंधी छात्रगण शोध-प्रबंध का प्रारूप समझे ।
COs 4.छात्रगण शोध-विषय की विविध शोध पद्धतियों का ज्ञान प्राप्त करें ।
COs 5. पाठ्यक्रम संबंधी छात्र शोध-प्रबंध के विश्वविद्यालय के नियमों को जानें ।
COs 6. छात्रगण कृति की समालोचना के बारे में विस्तार से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	
अनुस्नातक	ईकाई-१	▪ अनुसंधान का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व एवं उद्देश्य	▪ अनुसंधान की विभिन्न पद्धतियाँ
		▪ अनुसंधान के प्रकार : - साहित्यिक अनुसंधान - तुलनात्मक अनुसंधान - क्षेत्रीय अनुसंधान - मनोवैज्ञानिक अनुसंधान - ऐतिहासिक अनुसंधान - शैली-वैज्ञानिक अनुसंधान - भाषा-वैज्ञानिक अनुसंधान - समाजशास्त्रीय अनुसंधनान ▪ अनुसंधान : शोध और आलोचना	▪ अनुसंधान की प्रक्रिया ▪ अनुसंधान के विविध सोपान ▪ शोध के पर्यायवाची शब्द ▪ शोध निर्देशक के गुण ▪ शोधार्थी के गुण
		▪ हिन्दी अनुसंधान में सम्बन्ध-विषयों की भूमिका	▪ पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत
		▪ हिन्दी शोध-प्रबंध का प्रारूप	
	ईकाई-२	▪ साहित्य अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	▪ साहित्य का महत्त्व, उद्देश्य एवं प्रकार
		▪ समालोचना : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	▪ समालोचना के प्रकार :- साहित्यिक समालोचना - अवलोकनीय समालोचना - सर्वेक्षणात्मक समालोचना - प्रश्नावली/मतावली सर्वेक्षण समालोचना
		▪ साहित्यिक समालोचना - गद्य-कृतियों की समालोचना - पद्य-कृतियों की समालोचना - गद्य-पद्य कृतियों की समालोचना	▪ गद्य कृतियों की समालोचना - नाटक, उपन्यास, कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण की समालोचना
		▪ पद्य कृतियों की समालोचना - महाकाव्य, खण्डकाव्य, -गीतिकाव्य, वीरकाव्य, - स्फूटकाव्य आदि की समालोचना	▪ गद्य-पद्य कृतियों की समालोचना : चम्पू काव्य की समालोचना
	ईकाई-३	▪ प्रस्तावना (कृतिकार की प्रतिष्ठा, रचना काल, वैचारिकता आदि का संक्षिप्त ब्यौरा)	▪ कृतिकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
		▪ कृति (समालोचना संबंधी) की संक्षिप्त कथावस्तु	▪ कृति का रचना समय
		▪ कृतिकार पर अन्य साहित्य-सर्जक एवं विचारकों का प्रभाव	▪ कृति में कृतिकार की वैचारिकता
		▪ रचना की समकालीनता	▪ कृति द्वारा कृतिकार का भाव-बोध
		▪ कथा, पात्र, संवाद, वातावरण द्वारा समाज का संदेश	▪ कृति का निष्कर्ष-निष्पादन
		▪ समापन	
	ईकाई-४	▪ शोध-प्रबंध का मुखपृष्ठ-स्वरूप एवं टंकण	▪ शोध-प्रबंध की प्रामाणिकता-प्रमाणपत्र - प्रारंभिक विद्यावाचस्पति मौखिकी प्रमाणपत्र - निर्देशक का घोषणापत्र - शोधार्थी का घोषणापत्र - निर्देशक एवं शोधार्थी का शोध-सत्यापन प्रमाणपत्र
		▪ शोध-प्रबंध की प्रस्तावना - विषयचयन - विषयचयन की प्रेरणा - शोध-विषय का महत्त्व - शोध-विषय की विशेषता - शोध-विषय की प्रासंगिकता - पूर्ववर्ती शोध-कार्य - परवर्ती शोध-कार्य - सामग्री-संकलन - शोध-प्रबंध का अध्याय विभाजन - अनुक्रमणिका - पृष्ठ-क्रमांक - पृष्ठ-सज्जा - शोध-पत्र प्रस्तुतिकरण - संदर्भ सूची - संदर्भ ग्रंथ सूची : आधार-ग्रंथ सहायक ग्रंथ-पत्र-पत्रिकाएँ-शब्दकोश -वेबसाईट-साक्षात्कार-चित्र-सज्जा-तस्वीर इत्यादि	शोध-प्रबंध प्रस्तुतिकरण ▪ शोध-प्रबंध रूपरेखा (सिनोप्सीस) : - टंकण कार्य - वर्ण-लिपि- वर्ण आकार-कद- हस्ताक्षर - शोध-प्रबंध रूपरेखा प्रस्तुत-शुल्क, सत्र शुल्क
		▪ शोध-प्रबंध मौखिकी - प्रारंभिक विद्यावाचस्पति मौखिकी (Pre-Ph.D. Viva-voce) - विद्यावाचस्पति मौखिकी (Ph.D. Viva-voce)	▪ विद्यावाचस्पति घोषणापत्र (Ph.D. Notification)
		▪ शोध-उपाधि प्रमाणपत्र (Ph.D. Degree Certificate)	

अंक	क्रेडिट
नियमित परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०४
७०	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) - प्रयोगात्मक अनुसंधान - पृष्ठ हासिया - क्रियात्मक अनुसंधान - शोध-प्रबंध रूपरेखा प्रतियाँ - साक्षात्कार समालोचना - शोध-विषय की परिसीमा - निर्णयात्मक समालोचना - कृतज्ञताज्ञापन		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शांति प्रकाशन, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

(१) अनुसंधान की प्रविधि - डॉ. सावित्री सिन्हा - प्र. नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
(२) हिन्दी संशोधन की रूपरेखा - डॉ. मनमोहन सहगल - पंचशील प्रकाशन, जयपुर
(३) शोध-प्रविधि - डॉ. विनय मोहन शर्मा - नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
(४) शोध-तत्व और दृष्टि - सं. रामेश्वरलाल खंडेलवाल
(५) हिन्दी अनुसंधान के आयाम - डॉ. राजूरकर, डॉ. वोरा - नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
(६) नवीन शोध विज्ञान - डॉ. तिलक सिंह - नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
(७) तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ - डॉ. राजपाल वोरा - डॉ. रजूरकर - वाणी प्रकाशन, दिल्ली
(८) हिन्दी अनुसंधान - डॉ. विजयपालसिंह - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(९) The art of Literary Research- Richard D. Altick (Norten & Co. Newyork)
(१०) अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया - सं. विनयकुमार पाठक - मितल एण्ड संस, ८०-विजय ब्लोक, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-११००९२

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS) कला संकाय

एम.फिल.(तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१७

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1002 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	तुलनात्मक साहित्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०१	०२	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	CHN-1002 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य : COs 1. छात्रगण तुलनात्मक साहित्य क्या है, इसको जानें।
COs 2. छात्रगण के लिए तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की परिधि सस्पष्ट हो।
COs 3. छात्रगण तुलनात्मक अध्ययन कैसे किया जाता है, उससे विदित हों।
COs 4. छात्रगण तुलनात्मक साहित्य और तुलनात्मक भारतीय साहित्य की अवधारणा को समझें।
COs 5. छात्रगण भारतीय साहित्य का अध्ययन कर भारतीयता का स्वरूप समझें।
COs 6. छात्रगण विश्व साहित्य की अवधारणा को समझते हुए तुलनात्मक साहितय और संस्कृति का स्वरूप समझें

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय
अनुस्नातक	ईकाई–१	तुलनात्मक साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
		तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की परिधि
		तुलनात्मक साहित्य की प्रविधि
		तुलनात्मक साहित्य की ऐतिहासिक और तात्त्विक अनिवार्यता
	ईकाई–२	तुलनात्मक साहित्य उत्कर्ष में हिन्दी का योगदान
		तुलनात्मक साहित्य और सामान्य साहित्य का अंत:संबंध
		तुलनात्मक साहित्य और तुलनात्मक भारतीय साहित्य
		तुलनात्मक साहित्य और संस्कृति
	ईकाई–३	तुलनात्मक आलोचना का स्वरूप
		तुलनात्मक आलोचना की कार्य–पद्धति
		तुलनात्मक साहित्य में भारतीय साहित्य का योगदान
		तुलनात्मक साहित्य का भविष्य
	ईकाई–४	तुलनात्मक साहित्य का उद्देश्य
		तुलनात्मक साहित्य और यूरोपीय साहित्य
		तुलनात्मक साहित्य में अंग्रेजी की भूमिका
		तुलनात्मक साहित्य और राष्ट्रीय एकता

अंक	क्रेडिट
नियमित परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें। प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०४
७०	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – अन्तर्विद्यावर्ती आलोचना – तुलनात्मक साहित्य और समाजशास्त्र – तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद – तुलनात्मक साहित्य का अन्तर्राष्ट्रीय प्रभाव – तुलनात्मक साहित्य समकालीन पद्धतियाँ – साहित्य का तुलनात्मक विज्ञान		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा।

संदर्भ ग्रंथ :

१. अनुवाद अनुभव अवदान – डॉ. आरसु – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. सूचना साहित्य अनुवाद की चुनौतियाँ – वास्वन – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
३. अनुवाद – मलयालम साहित्य मार्ग एवं मार्गदर्शन – आरसु – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. जनसंचार माध्यम दशा एवं दिशा – सुरेश कानडे – जगत भारती प्रकाशन, कानपुर
५. रोजगारपरक हिन्दी – डॉ. ईश्वर पवार – जगत भारती प्रकाशन, कानपुर

६. तेलुगु साहित्य का हिन्दी पाठ – ऋषभ देव शर्मा – जगत भारती प्रकाशन, कानपुर
७. भारतीय साहित्य का भावसंसार – डॉ. आरसु, डॉ. परिस्मिता – जयभारती प्रकाशन, कानपुर
८. तुलनात्मक साहित्य – सिद्धांत और समीक्षा – डॉ. महावीरसिंह चौहान – पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
९. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका – चौधरी इन्द्रनाथ – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
१०. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
११. तुलनात्मक साहित्य – परीख धीरू – गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद
१२. तुलनात्म अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ – डॉ. भ. ह. राजूरकर – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
१३. तुलनात्मक साहित्याभ्यास (गुजराती अनुवाद) – बापट वसंत – अनुवादक –दवे जशवंती, मेहता जया प्र. एस.एन.डी.टी. युनिवर्सिटी, मुंबई ।
१४. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय संदर्भ – देसाई चैतन्य ।
१५. तुलनात्मक साहित्य नी दिशा मां – देसाई अश्विन – दिव्यानंद प्रकाशन
१६. भारतीय नवलकथा – जोषी रमणलाल – युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड, अहमदाबाद
१७. Indian Literature – Joshi Umashankar – Personal Pin counter Papurus, Culcutta
१८. The Idea of Indian Literature – Joshi Umashankar – Sahitya Academy, New Delhi.
१९. Aspects of Comparative Literature : Current Approaches – Indian Publishers & Distribution, New Delhi.
२०. Comparative Literature Studies – An Inroduction – Prawar S.S., Duch work London and New York, Branes and Noble.

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS) कला संकाय
एम.फिल.(तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१७

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	EHN-1001 (ऐच्छिक)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०२	०३	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	EHN-1001 (ऐच्छिक)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
COs 1. छात्रगण अनुवाद क्या है, इसको जानें।
COs 2. छात्रगण अनुवाद-प्रक्रिया में अनुवाद कैसे किया जाय, उससे अवगत हो।
COs 3. छात्रगण गद्य और पद्य कृतियों के अनुवाद करते समय किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है इससे परिचित हों। उन समस्याओं के यथासम्भव समाधान छात्रों को मिलें।
COs 4. छात्रगण अनुवाद का भविष्य तथा सीमाओं को जानें।
COs 5. छात्रगण सांस्कृतिक शब्दों, लोकोक्तियों और मुहावरों के अनुवाद से परिचित हों।
COs 6. छात्रगण भविष्य में अनुवाद के क्षेत्र में रोजगारी के अवसरों से परिचित हों।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय
अनुस्नातक	ईकाई-१	अनुवाद अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
		अनुवाद के प्रकार
		अनुवाद प्रक्रिया
		अनुवाद के गुण
	ईकाई-२	अनुवाद संस्कृति के दूत के रूप कें
		अनुवाद कार्य और सांस्कृतिक संदर्भ
		अनुवाद प्रवृति के इतिहास की रूपरेखा
		अनुवाद की उपयोगिता एवं उपादेयता
	ईकाई-३	अनुवाद प्रक्रिया में भाषाशास्त्र का महत्व
		सर्जनात्मक और चिन्तनात्मक गद्य-कृतियों के अनुवाद और उसकी समस्याएँ
		पद्यकाव्य के अनुवाद और उसकी समस्याएँ
		अनुवाद विज्ञान, शिल्प एवं कला का अंत:संबंध
	ईकाई-४	अनुवाद शैलियाँ
		मुहावरें और लोकोक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ
		विदेशी भाषाओं के अनुवाद की समस्याएँ
		अनुवाद का भविष्य

अंक	क्रेडिट
नियमित परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें। प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०४
७०	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – सांस्कृतिक शब्दों के अनुवाद की समस्या – अनुवाद में अनुकूलन की प्रक्रिया – नाट्यानुवाद की समस्याएँ – निबंधानुवाद – अनुवाद में शैलीगत प्रणाली की समस्या – पत्रानुवाद की समस्याएँ – भावानुवाद – आँचलिक कथा साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा।

पाठ्य पुस्तक : अनुवाद भारती
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, रोहतक

संदर्भ ग्रंथ :

(१) अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग – कैलाश चंद्र भाटिया, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

(२) अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्र. शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली

(३) हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ – सं. रवीन्द्रनाथ श्री वास्तव और गोस्वामी, प्र. आलेख प्रकाशन, दिल्ली

(४) हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग – वासुदेवनंदन प्रसाद, प्र. भारती भवन प्रकाशन, पटना

(५) विदेशी भाषाओं से अनुवाद की समस्याएँ – भोलानाथ तिवारी, नरेश कुमार, प्र. प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS) कला संकाय

एम.फिल.(तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१७

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	EHN-1001 (ऐच्छिक)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	साहित्यिक कृतियाँ							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०२	०३	०२
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	EHN-1001 (ऐच्छिक)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- COs 1. छात्रगण अनुवाद क्या है, इसको जानें।
- COs 2. छात्रगण अनुवाद-प्रक्रिया में अनुवाद कैसे किया जाय, उससे अवगत हो।
- COs 3. छात्रगण गद्य और पद्य कृतियों के अनुवाद करते समय किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है इससे परिचित हों। उन समस्याओं के यथासम्भव समाधान छात्रों को मिलें।
- COs 4. छात्रगण अनुवाद का भविष्य तथा सीमाओं को जानें।
- COs 5. छात्रगण सांस्कृतिक शब्दों, लोकोक्तियों और मुहावरों के अनुवाद से परिचित हों।
- COs 6. छात्रगण भविष्य में अनुवाद के क्षेत्र में रोजगारी के अवसरों से परिचित हों।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	
अनुस्नातक	ईकाई-१	– नरेश मेहता : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'प्रवाद पर्व' के आधार राम का चरित्र-चित्रण
		– 'प्रवाद पर्व' के आधार पर सीता का चरित्र चित्रांतकन	– काव्य नाटक के तत्त्वों पर आधार पर 'प्रवाद पर्व' का मूल्यांकन
		– 'प्रवाद पर्व' का कथानक	– 'प्रवाद पर्व' का काव्य-नाटक के रूप में मूल्यांकन
		– 'प्रवाद पर्व' में व्यक्त विचारधारा	
	ईकाई-२	– कनैयालाल माणकलाल मुन्ही : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'जय सोमनाथ' का कथानक
		– 'जय सोमनाथ' के प्रमुख चरित्रों का चरित्र -चित्रण	– 'जय सोमनाथ' में व्यक्त इतिहास और कल्पना
		– 'जय सोमनाथ' में व्यक्त विचारधारा	– 'जय सोमनाथ' उपन्यास की विशेषताएँ
		– 'जय सोमनाथ' उपन्यास का तत्त्वों के आधार पर मूल्यांकन	
	ईकाई-३	– हर्षदेव : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'रत्नावली' का कथानक
		– 'रत्नावली' नाटक का तत्वों के आधार पर मूल्यांकन	– 'रत्नावली' नाटक की विचारधारा
		– 'रत्नावली' नाटक की विशेषताएँ	– 'रत्नावली' के प्रमुख चरित्रों का चरित्र-चित्रण
	ईकाई-४	– बाप्सी सिदवा – व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'एन अमेरीकन ब्रेट' का कथानक
		– 'एन अमेरीकन ब्रेट' के प्रमुख-चित्रण	– 'एन अमेरीकन ब्रेट' में व्यक्त विचारधारा
		– उपन्यास के तत्त्वों के आधार पर 'एन अमेरीकन ब्रेट' का मूल्यांकन	– 'एन अमेरीकन ब्रेट' में व्यक्त परिवेश

अंक	क्रेडिट
नियमित परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें। प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०४
७०	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'प्रवाद पर्व' शीर्षक की सार्थकतचा – 'प्रवाद पर्व' का भावपक्ष – 'प्रवाद पर्व' का कलापक्ष – 'प्रवाद पर्व' की अभिनेता और रंगमंचीयता – 'प्रवाद पर्व' के गौण चरित्र – 'जय सोमनाथ' शीर्षक की सार्थकता – 'जय सोमनाथ' में निरूपित विविध वर्णन – 'जय सोमनाथ' उपन्यास के गौण चरित्र – 'जय सोमनाथ' का संवाद योजना – 'जय सोमनाथ' उपन्यास का वातावरण-निरूपण – 'रत्नावली' शीर्षक की सार्थकता- अनुवाद में अनुकूलन की प्रक्रिया – 'रत्नावली' नाटक की संवाद-योजना – 'रत्नावली' नाटक की रस-योजना – 'रत्नावली' नाटक की अभिनेता और रंगमंचियता – 'एन अमेरीकन ब्रेट' का शीर्षक की सार्थकता – 'एन अमेरीकन ब्रेट' के गौण चरित्र – 'एन अमेरीकन ब्रेट' की विशेषताएँ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट :
- **★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा।**
- **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा।**
- **★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा।**
- **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा।**
- **★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा।**

पाठ्य पुस्तक : प्रवाद पर्व लेखक : नरेश मेहता प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	पाठ्य पुस्तक : जय सोमनाथ लेखक : कनैयालाल मा. मुन्शी प्राप्ति स्थान :	पाठ्य पुस्तक : रत्नावली लेखक : हर्षवर्धन प्राप्ति स्थान : पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद	पाठ्य पुस्तक : एन अमेरीकन ब्रेट लेखक : बाप्सी सिदवा प्राप्ति स्थान : मील्कवीड एडिशन्स, Milkweed Editions, 1011 Washington Avenue South Open Book Building, Suit 300, Minneapolis (US), MN 55415-1246

संदर्भ ग्रंथ :

(१) संस्कृत साहित्यनो ઈतिहास – ડૉ. જેટલી, ડૉ. પરીખ – સરસ્વતી પુસ્તક ભંડાર, રતનપાલ, અમદાવાદ–૧

(२) रत्नावली – प्रि. सी. एल. शास्त्री, प्रा. सुरेश दवे, सरस्वती पुस्तक भंडार, रतनापाला, अहमदाबाद–१

(३) हर्षचरित – (एक सांस्कृतिक अध्ययन) – पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद–१

(४) प्रसादोत्तर नाट्य साहित्य – डॉ. विजय बापट – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

(५) नरेश मेहता के खण्डकाव्य : एक अनुशीलन – प्रा. कविता शर्मा – पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

(६) उत्तरशती के हिन्दी काव्य नाटक (सृजन और सांस्कृतिक संदर्भ) – विजय कुमार 'सन्देश' – क्लासिकल पब्लिशींग कंपनी, २८, शोपिंग कोम्प्लेक्ष, कर्मपुराल दिल्ली–१५

(७) नरेश मेहता : कविता की ऊर्ध्वयात्रा – डॉ. राजकमल राय – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(८) नरेश मेहता के मिथकीय खण्डकाव्य – डॉ. वर्षा शाह – विद्या प्रकाशन, सी–४४९, गुजैनी, कानपुर–२२

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS) कला संकाय

एम.फिल.(तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१७

नोट : ★ यह पाठ्यक्रम केवल शोध–छात्र के लिए है ।

★ प्रस्तुत पाठ्यक्रम से प्रश्नपत्र पूछा नहीं जाएगा ।

★ यह पाठ्यक्रम केवल शोध–छात्र के शोध–प्रशिक्षण के लिए है ।

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1003 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	लघुशोध प्रबंध (व्यावहारिक)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०२	०४	०१	

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	CHN-1003 (मुख्य)	०४	२००	–	२००

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक – प्रथम बैठक	शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक – द्वितीय बैठक
	ईकाई–२	शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक – तृतीय बैठक	शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक – चतुर्थ बैठक
	ईकाई–३	शोधकर्ता एवं विषय निष्णांत – पंचम बैठक	शोधकर्ता एवं भवनाध्यक्ष – षष्ठ बैठक
	ईकाई–४	शोधकर्ता एवं सह निर्देशक – सप्तम् बैठक	शोधकर्ता एवं परीक्षणकर्ता – अष्टम् बैठक

अंक	क्रेडिट
नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी
केवल लघु–शोधप्रबंध तैयार करना होगा । २०० अंक बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन होगा ।	०४
२००	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय
स्नातक	शोध–प्रपत्र	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित आलेख तैयार करना होगा ।
	सेमिनार	किसी तीन सेमिनार में उपस्थित रहना होगा ।